युग चेतना विस्तार के विशिष्ट आयोजनों से नये वर्गों में उभरता उत्साह

१०८ कुण्डीय यज्ञ एवं कार्यकर्त्ता सम्मेलन

मझोला, एटा (उत्तर प्रदेश)

गायत्री शक्तिपीठ मझोला ने अपने विद्याविस्तार महायज्ञों की शृंखला का शुभारंभ थाना दरियावगंज में १०८ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ के साथ किया। इस महायज्ञ में प्रतिदिन १० हजार से अधिक लोगों ने यज्ञ आहुतियाँ समर्पित कीं। यज्ञ में एटा के अलावा मैनपुरी, हाथरस, फिरोजाबाद, फर्रुखाबाद तथा आगरा जिले के ५००० से अधिक कार्यकर्त्ताओं ने भाग लिया। इन कार्यकर्त्ताओं ने जोन प्रभारी श्री लखनलाल मिश्र एवं गा.श.पीठ आँवलखेड़ा के व्यवस्थापक श्री जसवीर सिंह के नेतृत्व में अपने क्षेत्र में पाँच कुण्डीय यज्ञों की शृंखला चलाने के संकल्प लिए।

दरियावगंज के महायज्ञ में हुआ विवाह संस्कार

थाना दरियावगंज का गायत्री महायज्ञ शांतिकुंज से पहुँची श्री अशरणशरण श्रीवास्तव की टोली द्वारा सम्पन्न कराया गया। टोली ने दीपयज्ञ के दिन प्रवचन पाण्डाल में आदर्श विवाह सम्पन्न कराते हुए इसे एक आन्दोलन का रूप देने की प्रेरणा दी। प्रतिदिन बड़ी संख्या में विविध संस्कार हुए।

इस यज्ञ में शक्तिकलश की स्थापना के साथ ही विद्याविस्तार के जोरशोर से प्रयास आरंभ हो गये। सैकड़ों स्थानों पर क्रांतिधर्मी साहित्य एवं विद्याविस्तार सेटों की स्थापना हुई। कादरगंज क्षेत्र के मुस्लिम एवं अन्य धर्मावलम्बियों की उल्लेखनीय भागीदारी रही। कार्यक्रम की सफलता में सर्वश्री महेशचंद्र पालीवाल, सुरेन्द्र गुप्ता, कुलदीप वर्मा, सुरेन्द्र वर्मा, रक्षपाल सिंह यादव, राजेन्द्र प्रसाद मिश्र आदि का अग्रिम योगदान रहा। ☯

बड़े प्रभावित हैं नौसेना के अधिकारी

विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)

भारतीय नौसेना की पूर्वी कमान के विशाखापट्टनम् शहर के केन्द्रीय विद्यालय, नौसेना बाग में ११ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न हुआ। ५२०० से अधिक भाई-बहिनों ने इस महायज्ञ में अपनी आहुतियाँ समर्पित कीं। आयोजन इतना भव्य था कि जो भी दर्शक बनकर आया, यज्ञ में भाग लेकर यज्ञ की पूर्णाहुति के बाद ही लौटा। इसे मानवीय एकता के सूत्रों को सुदृढ़ करने वाला सशक्त अनुष्ठान भी कहा जा सकता है, जिसमें हिन्दू, मुस्लिम, सिक्स, ईसाई-सभी ने बड़ी श्रद्धा के साथ भाग लिया और समाज के नवनिर्माण आन्दोलन में भागीदार बनने के संकल्प लिए।

यज्ञ में देवमंच पर देवपूजन कमोडोर एन.के.राव, कमाण्डर आर.के. झा, कमाण्डर वी.एन. शुक्ला, कमाण्डर आलोक मिश्रा, ले. कमाण्डर आर.पी. शर्मा, कमाण्डर ए.एन.पी.सिंह एवं संजय सिंह जैसी विभूतियों द्वारा सम्पन्न किया गया। ये सभी वरिष्ठ अधिकारी आरंभ से पूर्णाहुति तक यज्ञ में रहे और विनम्र स्वयं सेवक की तरह सहयोग करते रहे। इन अधिकारियों पर यज्ञ की टिप्पणियों में निहित वैज्ञानिक तथ्यों का विशेष प्रभाव पड़ा। सभी ने यज्ञ को हाल ही में स्पेन के वैज्ञानिकों द्वारा घोषित २०३० के महाप्रलय से बचने या टालने का एक महत्वपूर्ण उपाय बताया और आगे भी ऐसे कार्यक्रमों में अपना पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया।

नौसेना बाग के ११ कुण्डीय महायज्ञ में देवपूजन करते कमोडोर एन.के.राव एवं यज्ञ करते नौसेना कर्मी व परिवारी जन

कार्यक्रम का संचालन करते हुए शांतिकुंज प्रतिनिधि श्री तोषन साहू की टोली ने प.पू. गुरुदेव द्वारा आस्था संकट को दूर करने के उपाय प्रस्तुत किये। महिला मण्डल नौसेना बाग, सर्वश्री इंद्रजीत सिंह, जेपी शर्मा, चंद्रिका प्रसाद, एम.एम. बघेल, हनुमान दुबे, संजय सिंह, जगत नारायण-प्रधानाचार्य के.वी., के.के. राय एवं सतेन्द्र सिंह का भरपूर सहयोग रहा। ☯

ग्राम विकास का सुंदर प्रयोग

आसपुर, डुंगरपुर (राजस्थान)

गायत्री शक्तिपीठ आसपुर ने विद्या विस्तार महायज्ञों की शृंखला में ग्राम फालोज के रा.बा.उ.मा. विद्यालय परिसर में २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ सम्पन्न कराया। २५ से २७ दिसम्बर की तारीखों में आयोजित इस महोत्सव में समाज के प्रबुद्धों की प्रशंसनीय भागीदारी के साथ विचार क्रांति के बहुआयामी प्रयास हुए। कार्यक्रम संचालन के लिए जोन मुख्यालय पुष्कर से श्री केदार वैष्णव एवं श्री आर.सी. गुप्ता की टोली पहुँची थी।

यज्ञ से पूर्व गाँव में युवा चेतना रैली निकाली गयी। ७५ गुरुदीक्षा संस्कार के अलावा ७० लोगों ने व्यसन मुक्ति के संकल्प लिए। **कार्यक्रम संयोजक श्री नारायण 'मामाजी' ने क्षेत्र में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ आवाज बुलंद करने का ओजस्वी संदेश दिया, तब उस ८० वर्षीय युवक का मनोबल एवं उत्साह देखते ही बनता था।**

इस प्रज्ञा आयोजन में सामूहिक श्रमदान को जोड़ते हुए गाँव के सभी सार्वजनिक स्थलों की सफाई की गयी। युवाशक्ति ने घर-घर देवस्थापना के संकल्प लिए। एक धर्म संगोष्ठी का आयोजन हुआ, जिसमें टोली के अलावा नगरपालिका डुंगरपुर के अध्यक्ष श्री शंकर सिंह सोलंकी, उपजिला प्रमुख श्री प्रेम कुमार पाटीदार, श्री फूलचंद सैनी, जिला प्रभारी श्री नगीन पाटीदार, होमगार्ड के श्री नाथूलाल पटेल, आसपुर के श्री शिवराम कलाल, सागवाड़ा के श्री भुपेन्द्र पण्ड्या, बिछीबाड़ा के श्री मगनलाल यादव, सीमलवाड़ा के श्री अमर सिंह लबाना, कोदरलाल आदि ने अपने विचार रखे। नगरपालिका अध्यक्ष ने लोगों को मंत्रलेखन पुस्तिका एवं बहिनों को यु.नि.योजना का 'नारी जागरण विशेषांक वितरित किया। श्री नाथूलाल कण्डलिया ने विवेकानंद अंध विद्यालय फालोज के बच्चों को ऊनी कम्बल दिये।' ☯

नवचेतना जगाती प्रज्ञा पुराण कथा

भीलवाड़ा (राजस्थान)

दिनांक १४ नवम्बर से १८ नवम्बर २००७ तक गायत्री शक्तिपीठ भीलवाड़ा के द्वितीय वार्षिकोत्सव के अवसर पर पाँच दिवसीय प्रज्ञा पुराण कथा एवं २४ कुण्डीय गायत्री महायज्ञ का भव्य आयोजन हुआ। कार्यक्रम के प्रथम दिन २५१ कलश एवं १०८ प्रज्ञापुराण ग्रन्थों की भव्य शोभायात्रा निकाली गयी। कलश पूजन-आरती के पश्चात् शान्तिकुंज प्रतिनिधि श्री श्यामबिहारी दुबे का कलश यात्रा एवं प्रज्ञा पुराण के उद्देश्य पर मार्मिक संबोधन हुआ। पाँच दिनों तक प्रज्ञापुराण के संगीतमय प्रस्तुतिकरण ने जनमानस में अर्पूव छाप छोड़ी। पूर्णाहुति के अवसर पर सभी १०८ वरणी जोड़ों को अपने घरों में स्थापित करने हेतु प्रज्ञापुराण ग्रन्थ की चारों प्रतियाँ प्रदत्त की गई। दि. १६ एवं १७ नवम्बर को कुल ५४ व्यक्तियों ने मंत्रदीक्षा ग्रहण की।

युवा मण्डल की सफलता

गायत्री शक्तिपीठ भीलवाड़ा के द्वितीय वार्षिकोत्सव में प्रज्ञा युवा मण्डल द्वारा मिशन की पत्रिकाओं की बुकिंग के लिए लगाया गया स्टॉल आकर्षण का केन्द्र रहा। यहाँ सभी को पुरानी पत्रिकाएँ ज्ञानप्रसाद के रूप में वितरित की गईं। इन्हें पढ़ने के बाद सड़सठ लोगों ने मिशन की पत्रिकाओं में रुचि दर्शाते हुए इनकी सदस्यता के लिए पैसा जमा कराया। उत्साही परिव्राजक श्री बी.एस. नागर का सहयोग उल्लेखनीय रहा, जिनकी सेवाभावना से प्रेरित होकर अठारह लोगों ने युग निर्माण योजना मंगाने हेतु दिलचस्पी दर्शाई। ज्ञातव्य है कि श्री नागर

आगे पृष्ठ ६ पर ....

पर्वों के प्रकाश में फैलते सुविचार, बढ़ता सद्भाव

दत्तात्रेय जयंती : बाला बालकनाथ समिति द्वारा दीपयज्ञ का आयोजन

चण्डीगढ़ -श्री सिद्धबाबा बालकनाथ सेवा मण्डल सेक्टर-२९, चण्डीगढ़ ने २३ दिसम्बर को भगवान दत्तात्रेय की जयंती मनायी। इस अवसर पर तीन दिवसीय संत सम्मेलन एवं दीपयज्ञ का विशेष आयोजन हुआ।

बाबा बालकनाथ समिति द्वारा दत्तात्रेय जयंती पर आयोजित दीपयज्ञ

शांतिकुंज प्रतिनिधियों को समारोह के प्रमुख पुरोहितों के रूप में आमंत्रित किया गया था।

इस सम्मेलन में श्री जमुना प्रसाद साहू, राजकुमार भृगु, संजय सिंह एवं हरीश की टोली ने शांतिकुंज का प्रतिनिधित्व करते हुए भजनोपदेशक शैली में संदेश दिया। उन्होंने भगवान दत्तात्रेय के तीन मुखों की गायत्री के तीन चरणों के रूप में मार्मिक व्याख्या की। उन्होंने भगवान दत्तात्रेय की विवेकशीलता एवं ज्ञान पिपासा को चिर प्रासंगिक बताते हुए कहा कि व्यक्ति को देश, काल, परिस्थितियों के अनुरूप सक्रियता अपना कर ईश्वरीय योजनाओं में पूरा-पूरा सहयोग करना चाहिए।

भगवान दत्तात्रेय की जयंती १०८ दीपयज्ञ के साथ मनायी गयी। इस अवसर पर शांतिकुंज प्रतिनिधियों ने बाबा बालकनाथ के जयकारे लगवाये तो मंदिर के ट्रस्ट मण्डल ने 'गायत्री परिवार की जय' का उद्घोष कराकर युगनिर्माण आन्दोलन के प्रति अपनी प्रबल आस्था का परिचय दिया। कार्यक्रम आयोजन में मंदिर समिति के श्री प्यारेलाल छोकर एवं श्री पाराशर जी के साथ गायत्री परिवार के श्री हेमराज बंसल एवं श्रीमती शशिकला का प्रमुख सहयोग रहा।

गीता जयंती पर दीपयज्ञ

जमालपुर, मुंगेर (बिहार)

गायत्री शक्तिपीठ जमालपुर पर गीता जयंती का पर्व युगनिर्माण आन्दोलन को गति देने के परिप्रेक्ष्य में बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। भक्तिगीत-संकीर्तन एवं सामूहिक गायत्री मंत्रोच्चार से स्पंदित दिव्य वातावरण में गीता के १२ वें अध्याय का सस्वर सामूहिक पाठ किया गया। श्री मनोज मिश्र ने गीता विवेचन करते हुए जीवन को ईश्वरीय सत्ता का प्रसाद मानने और उसी के निमित्त सदुपयोग करने की भावभरी प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि प्रभु को समर्पित जीवन में समस्त विषादों का समाधान होता है तथा पीड़ा में भी जीवन रस के आनंद की अनुभूति होती है।

गीता जयंती पर दीपयज्ञ का आयोजन हुआ। श्री अनिल तिवारी ने प्रज्ञावतार परमपूज्य गुरुदेव के देव संस्कृति दिग्विजय अभियान को धर्म की स्थापना एवं अधर्म के नाश का अभियान बताते हुए इसके प्रति आस्था जगायी। श्री यमुना सिंह के गीतों ने भावविभोर किया, वहीं कृष्णनंदन मलिक, सहदेव, अनिल तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

गुरुद्वारे में गुरुनानक जयंती, गायत्री परिवार भी शामिल

जयपुर कोरापुर (उड़ीसा)

२४ नवम्बर को जयपुर शहर के मध्य स्थित गुरुद्वारे में गुरुनानक देव जी की जयंती बड़े हर्षोल्लास के साथ मनायी गयी। गायत्री परिवार के जागरुक परिव्राजक कवि श्री राम प्रताप साहू ने विशिष्ट अतिथि के रूप में इस समारोह में भाग लेते हुए मानवीय एकता के सूत्रों को मजबूती प्रदान की। ज्ञानी संत जी के शबद कीर्तन के बाद श्रद्धालुओं को गायत्री परिवार का संदेश देते हुए उन्होंने कुरुक्षेत्र के महायज्ञ में सिक्ख समुदाय की भागीदारी, सिक्खों की अजनाला, अमृतसर में नियमित सक्रियता के प्रज्ञा अभियान में छपे सचित्र समाचारों से उन्हें अवगत कराया। उन्होंने अपने उद्बोधन में सभ्य सुसंस्कृत समाज के निर्माण के लिए परम पूज्य गुरुदेव द्वारा बताये गये अत्यंत उपयोगी सूत्रों की चर्चा की। उल्लेखनीय है कि उसी दिन स्थानीय लोकप्रिय दैनिक समाचार पत्र में श्री रामप्रसाद साहू का संत गुरुनानक देव जी पर एक बड़ा आलेख प्रकाशित हुआ, जिसे पढ़कर लोग गायत्री परिवार के प्रति श्रद्धावनत हुए।

सिक्ख समुदाय अपने गुरुद्वारे के किसी समारोह में गायत्री परिवार के प्रतिनिधि को पहली बार पाकर गद्गद था। इस अवसर पर विधायक श्री रवि नारायण नंदोजी (पूर्व जल सम्पदा एवं पंचायत राज्यमंत्री) तथा श्री सूर्यनारायण रथ-नगर पालिका अध्यक्ष ने गुरुद्वारे में एक सार्वजनिक हॉल का शिलान्यास किया।। लंगर के बाद सब परस्पर गले मिले। कमेटी के प्रमुख श्री अच्छरसिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। ☯

उतावला व्यक्ति सफलता के अवसरों को बहुधा हाथ से गँवा ही देता है।